QP CODE: 25019779

25019779

Reg No : ....

Name : ....

B.A DEGREE (CBCS)) REGULAR/ IMPROVEMENT/ REAPPEARANCE / MERCY CHANCE EXAMINATIONS, FEBRUARY 2025

Fourth Semester

Core Course - HN4CRT04 - ANCIENT HINDI POETRY

(Common for B.A Hindi Language and Literature Model I, B.A Hindi Language and Literature Model II Functional Hindi)

2017 Admission Onwards

D5124C8D

Time: 3 Hours

Max. Marks : 80

Instructions to Private candidates only: This question paper contains two sections. Answer SECTION I questions in the answer-book provided. SECTION II, Internal examination questions must be answered in the question paper itself. Follow the detailed instructions given under SECTION II

Part A

*Answer any **ten** questions.*

*Each question carries **2** marks.*

1. पृथ्वीराज रासो के रचयिता का नाम और उनका गोत्र।
2. विद्यापति की सर्वाधिक चर्चित और प्रशंसक रचना किसे माना जाता है ?वह किस भाषा में रची गई है ?
3. रमैनी कौन है?
4. सूरदास की भाषा।
5. “अखियां हरी दर्शन की प्यासी” पंक्ति किसकी है ? किसकी अखियां प्यासी है?
6. तुलसीदास के महाकाव्य का नाम क्या है? उसमें कितने काण्ड है?
7. माधुर्य और दैन्यभाव मीरा के काव्य में घुल मिलकर एक हो गए हैं। अपना मत प्रकट कीजिए।
8. “पायोजी मैंने राम रतन धन पायो” राम रतन धन क्या है ? यह किसने पाया है?
9. सतसई का मतलब क्या है ?
10. मुगलों के सेनापति के रूप में प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार कौन थे ? उनका पूरा नाम क्या था?
11. लोग हैं लागि कवित्त बनावत मौलिक तौर मेरे कवित बनावत” किसकी पंक्ति है ? इसका मतलब क्या है?
12. भक्ति काल को कितने भागों में बांटा गया है ? कौन-कौन से हैं ?

(10×2=20)

Part B

*Answer any **six** questions.*

*Each question carries **5** marks.*

13. पृथ्वीराज रासो की प्रासंगिकता।

14. अभिनव जयदेव विद्यापति पर प्रकाश डालिए।

15. कबीर का व्यक्तित्व और कृतित्व ।

16. सूरदास का व्यक्तित्व और कृतित्व।

17. व्याख्या कीजिए - चारु चिबुक नासिका कापोला। हास विलास लेत मनु मोला।। मुख छबि कहि ना जाई मोहि पाहीं। जो विलोकी बहु काम लजाहिं।। उर मनि माल कंबु कल गीवा। काम कलभ कर भुज बलसींवा।।सुमन समेत बाम कर दोना । सांवर कुंवर सखी सुठि लोना ।।

18. मीरा की भक्ति।

19. व्याख्या कीजिए - जप माला छापा तिलक सरै न एकौ कामु। मन कांचै नाचै वृथा, सांचै राचै रामु।। कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय । उहिं खाए बौराइ जग, इहिं पाए बौराई ।।

20. रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल। आपु तो कहि भीतर रही जूती खात कपाल।।

21. घनानंद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

(6×5=30)

Part C

*Answer any **two** questions.*

*Each question carries **15** marks.*

22. समाज सुधारक कबीर पर निबंध लिखिए।

23. हिंदी साहित्य में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

24. पठित पाठ के आधार पर हिंदी साहित्य में तुलसीदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

25. भक्तिकालीन साहित्य के प्रमुख कवियों की साहित्यिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

(2×15=30)